वन उत्पादकता संस्थान, राँची
वन महोत्सव
दिनांक : 07.07.2022

वन उत्पादकता संस्थान, राँची एवं सी० एस० आर० हिंड़ाल्को इण्डस्ट्रीज लिमिटेड़, लोहरदगा के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 07/07/2022 को चन्दवा के हड़गड़वा स्थित आवासीय विद्यालय में संस्थान के निदे" ाक डा० नितिन कुलकर्णी के नेतृत्व में संस्थान के सदस्यों, हिंडालको सी० एस० आर० के सदस्यों एवं विद्यालय परिवार द्वारा वन महोत्सव के अवसर पर संस्थान के समुह समन्वयक अनुसंधान डॉ० योगे" वर मिश्रा की देख–रेख में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में चन्दवा पूर्वी पंचायत के मुखिया श्री रंजीत उराँव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की भाुरूआत विद्यालय के बच्चों द्वारा दे" ाभक्ति गीत, नागपुरी नृत्य एवं पर्यावरण गीत जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। तत्प" चात संस्थान की श्रीमति अंजना सुचिता तिर्की ने कार्यक्रम का परिचय एवं महत्व को बताते हुए के० एम० मुं" ाी तत्कालीन खाद्य एवं कृशि मंत्री का जिक्र किया जिन्होंने 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम की भाुरूआत की थी। उन्होंने बताया की जीवन के लिए विकास के साथ–साथ पर्यावरण भी महत्वपूर्ण है जिससे जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेकों आव" यकताओं की पूर्ति होती है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिण्ड़ाल्को इंड़स्ट्रीज के श्री नीरज कुमार में बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा बिना जीवन जीना मुि" कल है। उन्होंने बताया कि धार्मिक महत्व के पेड़ जैसेः– बरगद, पीपल, आँवला, तुलसी सिर्फ छाया ही नहीं देते बल्कि औशधि और प्रचूर मात्रा में आक्सीजन भी देते हैं। गैर काश्ठ वनोत्पाद से काफी संख्या में लोग अपना जीविकोपार्जन करते है। आज वन उत्पादकता संस्थान के साथ वन महोत्सव पर वनरोपण कार्यक्रम का हिस्सा बन कर संस्थान के डॉ० नितिन कुलकर्णी के पहल की सराहना की। उन्होने स्कूल प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया। श्री नीरज कुमार ने वन उत्पाकता संस्थान से आग्रह किया कि तकनीकी विस्तार एवं समाज सुधार में हम मिलकर काम करें।

डॉ० योगे" वर मिश्रा ने बच्चों के कार्यक्रम की प्र" ांसा करते हुए कहा कि हिड़ाल्को इण्ड़स्ट्रीज को अपने कार्यक्षेत्र में सामाजिक सुधार का दायित्व है तथा वन उत्पादकता संस्थान के साथ मिलकर पर्यावरण एवं वानिकी संवर्धन कर ग्रामीणों के आर्थिक विकास पर काम करना चाहिए। उन्होंने बच्चों, ि" ाक्षकों, अभिभावकों से स्कूल परिसर के अलावा अपने घरों के आस पास पौधरोपण करने तथा अपने परिचितों को प्रेरित करने और बचाने का आह्वान किया।

मुखिया श्री रंजीत उराँव ने वन रोपण में भाग लेकर आव" यक सहयोग का आ" वासन दिया एवं वन उत्पादकता संस्थान एवं हिंड़ाल्को इण्ड़स्ट्रीज को धन्यवाद दिया।

संस्थान के निदे" ाक डॉ० नितिन कुलकर्णी ने अपने संबोधन में बच्चों द्वारा परणादायक पर्यावरणीय गीत की सराहना की एवं बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता आती हैं। f" ाक्षकों का दायित्व बनता है कि बच्चों को पर्यावरण की भरपूर जानकारी दी जानी चाहिए ताकि हमारी भावी पीढ़ी पर्यावरणीय समस्याओं से सुरक्षित रह सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि वनों का वजूद जीवों का आधार है। वन का विना" ा जीवों का वजूद मिटा देगा। स्वास्थ्य बजट की चर्चा करते हुए उन्हेंने बताया कि यदि हम पर्यावरण प्रदूशण को काबू में कर लें तो हमारा स्वास्थ्य बजट एक चौथाई रह जाएगी जो दे" ा के विकास में काम आयेगा। कोरोना की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि कोरोना में अधिका" ा मौतें ऑक्सीजन की कमी से हुई जो हमें पेड़ पौधे ही दे सकते है। अमेजन जंगल की चर्चा करते हुए उन्हाने बताया कि वि" व को 20 प्रति" ात ऑक्सीजन देने वाला अमेजन जंगल वि" व का फेफड़ा कहलाता है। यद्यपि झारखंड़ में एक तिहाई जंगल है लेकिन इसे और अधिक समृद्ध करना है। उन्होंने प्रकृति कार्यक्रम की चर्चा की एवं कहा कि हिंड़ाल्को के सहयोग से हम नवोदय एवं केंदोय विद्यालय के अलावा अन्य आवासीय विद्यालयों में भी प्रकृति कार्यक्रम के तहत वानिकी एवं पयावरण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम कर सकते ह। स्कूल प्रबंधन से उन्हाने आग्रह किया कि हमारे संस्थान में प्रौद्योगिकी प्रद" ीन एवं व्याख्यान केद्र के अलावा हाईटेक नर्सरी एवं अन्य द" ीनीय तथ्यों की स्थापना की है जिसका भ्रमण कर लाभ उठावें।

श्री भाुखन सिंह प्रधानाध्यापक ने वन उत्पादकता संस्थान, राँची एवं हिंड़ाल्को परिवार के सम्मिलित प्रयास स किए गए आज के कार्यक्रम की सराहना की एवं बताया कि स्कली किताबों के अलावा आस–पास के वनों की सुरक्षा के लिए भी विद्यालयों के f" ाक्षक प्रयासरत रहते हैं। उन्होंने आ" वासन दिया कि संस्थानों द्वारा लगाए गए पौधों की भात–प्रति" ात सुरक्षा करेंगे।

अंत में संस्थान के श्रो बी० डी० पंड़ित, विद्यालय के श्री चतुरे" ा गुप्ता एवं ज्ञाने" वरो कुमारी सिंह के प्रयास से तैयार संस्कृतिक कार्यक्रम का बच्चों ने प्रद" ीन किया जिसकी तालियां बजाकर सबों ने सराहना की। कार्यक्रम के आखिर में हिंड़ालकों की सुश्री अनन्या डे ने धन्यवाद दिया एवं विद्यालय के छात्रों, f" ाक्षकों, संस्थान के अधिकारियां, हिंड़ाल्कों परिवार के सदस्यों द्वारा लगी 132 विभिन्न फलदार, एवं इमारती पौधा का रोपण किया गया।

कार्यक्रम को संस्थान के श्री एस० एन० वैद्य, श्री निसार आलम, श्री बी० डी० पंड़ित, श्री सूरज कुमार, श्रो बिनोद राम ने सफल बनाने में सहयोग किया।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां